विषय-सूची

	पृ०सं०
समर्पण	(vii)
आभार	(ix)
पुरोवाक्	(xiii)
अध्याय : प्रथम	
भूमिका	१-७५
(क) वेद क्या है ?	१
(ख) वेद का स्वरूप	११
(ग) वेद का प्रतिपाद्य विषय	२६
(घ) सृष्टि प्रकरण	४५
अध्याय : द्वितीय	
वैदिक कालीन भारतीय संस्कृति	७६-१२२
(क) संस्कृति क्या है ?	७६
(ख) संस्कृति और सभ्यता	८१
(ग) वैदिक संस्कृति के निर्माता देव और असुर	८३
(घ) संस्कृति और संस्कार	८६
(ङ) षोड्श संस्कार और संस्कृति का विकास क्रम	८९
वैदिक संस्कृति का विकास	१०५
अध्याय : तृतीय	
वैदिक कालीन वर्ण व्यवस्था	१२३-१४७
(क) वर्ण शब्द का अर्थ आर्य एवं अनार्य	१२३
(ख) वर्ण व्यवस्था का प्रारंभिक स्वरूप	१२६
(ग) वर्ण व्यवस्था में अन्तर्निहित भावनाएं	१२६
(घ) वर्ण व्यवस्था का उद्भव और तत् सम्बन्धी सिद्धान्त	१२७
(ङ) ऋग्वेद में वर्णित वर्ण व्यवस्था का विश्लेषण	१२९
(च) ऋग्वैदिक काल अथवा पूर्व वैदिक युग में वर्ण व्यवस्था का विकास	१३५

पृ०सं०

अध्याय : चतुर्थ

वैदिक कालीन आश्रम व्यवस्था १४८-१६५

(क) दार्शनिक पृष्ठभूमि १४८

(ख) आश्रम शब्द का अर्थ १५०

(ग) आश्रम व्यवस्था का उद्भव १५२

(घ) आश्रम और पुरुषार्थ का सम्बन्ध १५३

(ङ) आश्रम और संस्कार का सम्बन्ध १५४

(च) चार आश्रम १५४

(छ) पुरुषार्थ चतुष्टय की अवधारणा १६२

अध्याय : पञ्चम

वैदिक कालीन धर्म मीमांसा १६६-२२८

(क) वैदिक धर्म १६६

(ख) वैदिक धर्म भावना का प्रेरक तत्त्व : प्रकृति १६६

(ग) वैदिक देवताओं के रूप और "ऋत" १६८

(घ) मानव में देवत्व की अभिव्यक्ति १६९

(ङ) लौकिक अभिव्यक्ति : भौतिक जगत १६९

(च) वैदिक देवताओं से आर्यों की समीपता १७०

(छ) वैदिक देवमण्डल १७०

(ज) देवताओं की कल्पना का आधार : मानवीकरण १८१

(झ) देवताओं की श्रेष्ठता १८२

(ञ) परमतत्त्व की कल्पना : सत्य की अभिव्यंजना १८२

(त) पूजन का आधार : बौद्धिक प्रधानता– १८३

(१) स्तुति अथवा प्रार्थना १८४

(२) यज्ञ १८४

(३) याज्ञिक क्रियाओं का विरोध– १८६

(१) वैदिक धर्म का आचरण तत्त्व १८७

(२) कर्म तत्त्व १८७

(३) अध्यात्म तत्त्व १८९

(थ) औपनिषदिक धर्म और ज्ञान– १८९

(१) ब्रह्म अथवा परमतत्त्व १९०

पृ०सं०

(२) आत्मा की सत्ता : परमात्मा का रूप १९१
(३) परमात्मा ब्रह्म और जीवात्मा (मनुष्य) १९३
(४) कर्म और ज्ञान का महत्व १९४
(५) औपनिषदिक उपासना १९४
(६) उपनिषद् काल के दार्शनिक वर्ग १९५
(द) वेद और धर्म १९५
(ध) वेदों में व्रत २१९

अध्याय : छष्ठम

वैदिक दर्शन २२९-३३१
(क) अद्वैतवाद २२९
(ख) द्वैतवाद २४८
(ग) अवतारवाद २७५
(घ) विश्वबन्धुत्ववाद २९३
(ङ) शान्तिवाद ३११

उपसंहार ३३२-३६४
ऋग्वेद के मन्त्र द्रष्टा ऋषि ३६५-४००
सन्दर्भ ग्रन्थों की सूची ४०१-४१६